

त्रैमासिक परीक्षा— 2023–24

कक्षा— 12 वीं

विषय:—जीवविज्ञान सेट C

समय – 3 घण्टे

पूर्णांक—70 अंक

निर्देश:—

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 6 से 12 के लिए प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आवंटित हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए।
4. प्रश्न क्रमांक 13 से 16 के लिए प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आवंटित हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखिए।
5. प्रश्न क्रमांक 17 से 20 के लिए प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आवंटित हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखिए।
6. आवश्यकतानुसार स्पष्ट एवं नामांकित चित्र बनाइए।

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1 × 6 = 6

1. महिलाओं में एक 'x' गुणसूत्र की हानि के कारण कौन सा सिंड्रोम होता है-
अ) टर्नर सिंड्रोम
ब) डाउन सिंड्रोम
स) पटायु सिंड्रोम
द) क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम
2. नर युग्मक तथा अण्डाणु कोशिका के संयोजन से बनी संरचना कहलाती है-
अ) फलों की दीवार
ब) भ्रूणपोष
स) अंडा
द) युग्मनज
3. डाउन सिंड्रोम किस गुणसूत्र के ट्राइसॉमी के कारण होता है-

अ) 6

बी) 21

स) 9

द) 23

4. आकारिकी एवं आनुवंशिक दृष्टि से समान जीव को कहा जाता है-

अ) क्लोन

ब) युग्मक

स) युग्मनज

द) संतति

5. जब दो विपरीत लिंग प्रजनन की प्रक्रिया में भाग लेते हैं तो इस प्रकार के प्रजनन को क्या कहा जाता है-

अ) लैंगिक प्रजनन

ब) अलैंगिक प्रजनन

स) अनिषेकजनन

द) कायिक प्रजनन

6. परागकणों में होता है-

अ) नर गैमेटोफाइट

ब) मादा गैमेटोफाइट

स) अंडाशय

द) भ्रूणकोष

02-रिक्त स्थान भरें-

1x6-6

1. एक संरचना जो भ्रूण और गर्भाशय के बीच संवहनी संबंध बनाती.....कहलाती है।
2. बिना निषेचन के फल बनने की प्रक्रिया.....कहलाती है।
3. बीजांड का विकास..... से हुआ।
4. मेंडल ने वंशागति के कुल.....नियम प्रस्तावित किये।
5. मानव युग्मक में गुणसूत्रों की संख्या..... होती है।
6. मादा द्वारा स्रावित प्रथम दुग्ध..... कहलाता है।

Q3-सही/गलत लिखें-

1x6-6

1. जीवन की उत्पत्ति जल में हुई है।
2. एण्ड्रोजन हार्मोन फैलोपियन ट्यूब द्वारा स्रावित होता है।
3. केला एक झूठा फल है।
4. ऊर्जा पिरामिड सदेव सीधा होता है।
5. मिलर ने अपने प्रयोग में मीथेन, अमोनिया व हाइड्रोजन को मिश्रित किया।
6. पृथ्वी पर सबसे पहले उत्पन्न हुआ जीव मानव है।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाकर लिखिए।

1x5-5

(ए)

1. एक्रोसोम
2. 3:1
3. महिला प्रजनन अंग
4. पुरुष प्रजनन अंग
5. 9:3:3:1

(बी)

- ए) एक्स-गुणसूत्र
- बी) वृषण
- ग) मोनोहाइब्रिड क्रॉस
- घ) अंडवाहिनी
- ई) शुक्राणु
- छ) डायहाइब्रिड क्रॉस
- च) वाई-गुणसूत्र

Q5- एक वाक्य में उत्तर लिखिए-

1. शुक्राणु को पोषण किस प्रकार से मिलता है?
2. मनुष्य में निषेचन कहाँ होता है?
3. यूरैसिल किस न्यूक्लिक अम्ल में पाया जाता है?
4. आरंभन कोडोन का नाम लिखें।
5. गुणसूत्र का वंशानुक्रम सिद्धांत किसने दिया?

1x5=5

6-भ्रूणपोष के बारे में लिखिए।

अथवा

पॉलीएम्ब्रायोनी के बारे में लिखिए।

2

7- कलर ब्लाइंडनेस के बारे में लिखिए।

अथवा

हीमोफीलिया के बारे में लिखिए।

2

8-एक्रोसोम के दो कार्य लिखिए?

अथवा

फैलोपियन ट्यूब के दो कार्य लिखिए?

2

9- विपुसन क्या है?

अथवा

मेंडल ने अपने प्रयोग के लिए मटर के पौधे का चयन क्यों किया? कोई दो कारण लिखिए।

2

10- मोनोहाइब्रिड क्रॉस क्या है?

अथवा

1:2:1 अनुपात क्या है?

2

11- समयुग्मजी क्या है?

अथवा

प्लेसेंटा के दो कार्य लिखिए।

2

12- सजातीय एवं समरूप अंगों में दो अंतर लिखिए।

अथवा

अभिसारी व अपसारी विकास में दो अंतर लिखिए।

2

13- आर्तव चक्र क्या है। आतर्व चक्र के दौरान निकलने वाले किसी एक हार्मोन का नाम लिखिए।

3

अथवा

शुक्राणु का नामांकित चित्र बनाइये।

14- डीएनए पैकेजिंग क्या है?

3

अथवा

डीएनए एक आनुवंशिक पदार्थ है। समझाइये।

15- शुक्राणुजनन एवं अंडजनन में तीन अंतर लिखिए।

3

अथवा

नर गैमेटोफाइट और मादा गैमेटोफाइट के बीच तीन अंतर लिखिए।

16-डीएनए के दोहरे कुंडलित मॉडल की तीन विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

एक जीन एक एंजाइम सिद्धांत को लिखिए।

3

17- डीएनए फ्रिंगरप्रिंटिंग क्या है? इसकी उपयोगिता लिखिए।

अथवा

जीनोम प्रोजेक्ट की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

4

18- खाद्य श्रृंखला एवं खाद्य जाल में चार अंतर लिखिए।

अथवा

ऊर्जा प्रवाह का 10% नियम लिखिए।

4

19-अपूर्ण प्रभाविता एवं सह- प्रभाविता में 4 अंतर लिखिए।

4

अथवा

DNA और RNA में चार अंतर लिखिए।

20-जेनेटिक कोड क्या है? इसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

4

अथवा

लिंगेज क्या है? लिंगेज कितने प्रकार के होते हैं?

कक्षा - 12 वीं

जीव - विज्ञान

Date: / /

Page no: / /

पृ०। सही विकल्प

(2) रिक्त स्थानों

(3) सत्य/ असत्य

(1) अ

(1) अपरा

(1) ✓

(2) द

(2) पार्थेनोकार्पी

(2) X

(3) ब

(3) भ्रूण कौश

(3) X

(4) अ

(4) तीन

(4) ✓

(5) म

(5) 46

(5) ✓

(6) स

(6) क्लोरोस्टम

(6) X

(4) जोड़ी मिलाइए

(5) एक वाक्य में उत्तर

(1) शुक्राणु

(1) सैडोविली कौशिका से

(2) ~~अण्डाणु~~

(2) फेलापियन

(3) अण्डाणु

(3) राइबो न्यूक्लिक अम्ल

(4) वृषण

(4) APT

(5) मोनोहाइब्रिड क्रॉस

(5) सटन और बोनेरी



google.com/search?client=



वीडियो

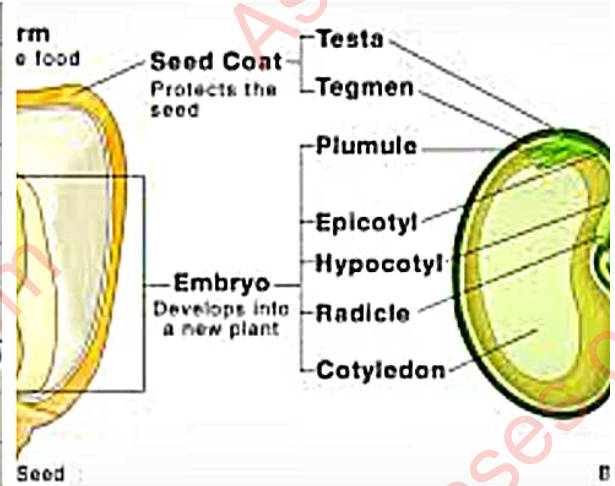
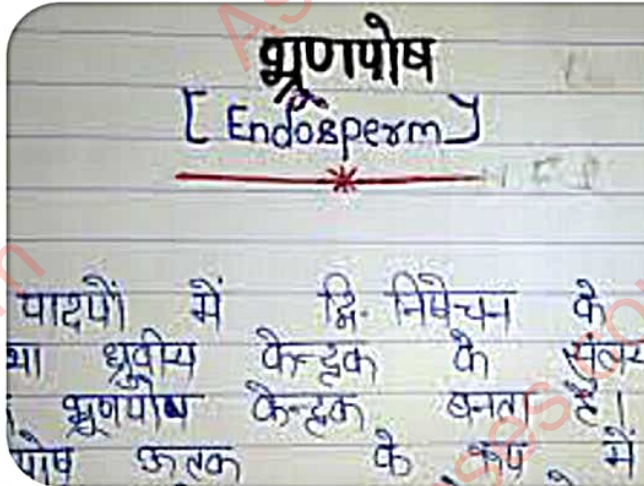
इमेज

मैप

किताबें

समाचार

शॉपिंग



🔊 इसे सुनें

द्वि-निषेचन की क्रिया में जब नर युग्मक द्वितीयक केंद्रक से संलयन (Fusion) करता है तो इसके फलस्वरूप प्राथमिक भ्रूणपोष केंद्रक बनता है, और यह सामान्यतः त्रिगुणित (Triploid) होता है। यह केंद्रक कई बार विभाजित होकर भ्रूणपोष का निर्माण करता है। 15 फर॰ 2021

<https://sciencevision.in> > भ्रूणपोष

भ्रूणपोष (Endosperm) क्या है? भ्रूणपोष के प्रकार क्या क्या हैं? पुष्पी पादपों में भ्रूण ...

❓ फ्रीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी

🗨️ सुझाव/राय दें या शिकायत करें

हिंदी में खोजें



कलर ब्लाइंडनेस के बारे में लिखिए



 इसे सुनें


जब आंखें सामान्य रूप से रंगों को नहीं देख पातीं हैं तो उसे वर्णांधता या कलर ब्लाइंडनेस कहते हैं। इसे कलर डिफिशियंसी भी कहा जाता है। इससे ग्रस्त व्यक्ति कुछ निश्चित रंगों में अंतर नहीं कर पाता है। सामान्यता उसे हरे और लाल तथा कभी-कभी नीले रंग में भी अंतर समझ में नहीं आता है।




<https://www.eye7.in> > वर्णान्ध...



वर्णांधता: रंग-बोध की अक्षमता (कलर ब्लाइंडनेस – Color Blindness in Hindi)

 About featured snippets

 Feedback



Google



एक्रोसोम ki दो कार्य लिखिए



वीडियो

इमेज

समाचार

मैप

किताबें

शॉपिंग

Showing results for एक्रोसोम के दो कार्य लिखिए

Search instead for एक्रोसोम ki दो कार्य लिखिए

हिंदी में खोजें



एक्रोसोम के दो कार्य लिखिए



इसे सुनें

एक्रोसोम का सबसे मुख्य कार्य **अंडाणु को सक्रिय करना होता है।** एक्रोसोम के अंदर अपघटनीय एंजाइम पाये जाते हैं, ये एंजाइम अंडाणु के बाहरी परत को घोलने का कार्य करता है। इस प्रक्रिया के कारण अंडाणु सक्रिय हो जाता है और ये सक्रिय अंडाणु शुक्राणु से संलयन के लिए तैयार हो जाता है। यही एक्रोसोम का सबसे प्रमुख कार्य है। 24-Nov-2020

<https://brainly.in> › question

एक्रोसोम के कार्य लिखिए - Brainly.in

SOLUTION

एक द्विलिंगी पुष्प की कली अवस्था में, परागकोश को काटकर अलग करने की प्रक्रिया, विपुंसन (emasculatation) कहलाती है। यह कृत्रिम परागण की एक तकनीक है तथा इसका प्रयोग पादप प्रजनक द्वारा आर्थिक महत्त्व के पौधों की अच्छी नस्ल बनाने में किया जाता है। विपुंसन द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि ऐच्छिक वर्तिकाग्र युक्त पौधे पर ही परागण हो।



People also ask

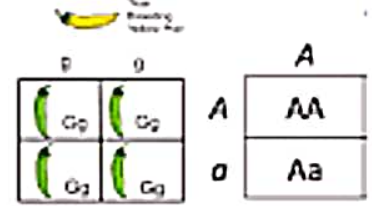


मोनोहाइब्रिड क्रॉस से आप क्या समझते हैं?



एक मोनोहाइब्रिड क्रॉस दो व्यक्तियों के बीच एक अनुवांशिक क्रॉस होता है जो केवल एक विशेषता या एलील के एक सेट में भिन्न होता है। इसमें एकल विशेषता के लिए वंशानुक्रम पैटर्न का अध्ययन शामिल है, आमतौर पर दो विपरीत एलील वाले एकल जीन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

Monohybrid Cross - Definition, Examples, Practice



MN <https://microbiologynote.com> › मो...

मोनोहाइब्रिड क्रॉस - परिभाषा, चरण, उदाहरण, अभ्यास -
Microbiology Note

MORE RESULTS



एक मोनोहाइब्रिड जीव क्या है?



मोनोहाइब्रिड और डायहाइब्रिड क्रॉस में क्या अंतर है?



मोनोहाइब्रिड क्रॉस क्लास 12 नोट क्या है?



लिखित उत्तर

★ Verified by Experts

जब किसी कोशिका या जीव में किसी जीन के दोनों युग्म विकल्पी समान हो तो यह अवस्था समयुग्मजी कहलाती है, जैसे - TT या tt

Was this answer helpful?

👍 696

विज्ञान

Q.67: समजात अंग और समरूप अंग में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

समजात अंग

(i) इन अंगों की मूल रचना और उत्पत्ति एक समान होती है।

(ii) इनके कार्य समान नहीं होते हैं।

समरूप अंग

(ii) इन अंगों की मूल रचना और उत्पत्ति एक समान नहीं होती।

(ii) इनके कार्य समान होते हैं।

[Previous](#)

[Next](#)

notes

For Error Please Whatsapp @9300930012

Copyright © mpboardonline.com 2018

SOLUTION

मादाओं (प्राइमेट्स) में अण्डाणु निर्माण 28 दिन के चक्र में होती है जिसे आर्तव चक्र अथवा मासिक चक्र या ऋतु स्राव चक्र कहते हैं। प्रत्येक स्त्री में यह चक्र 12-13 वर्ष की आयु से प्रारम्भ हो जाती है तथा 45-55 वर्ष की आयु में खत्म हो जाता है। यह चक्र अण्डाशय में अण्डाणु निर्माण को दर्शाता है तथा इसके प्रारम्भ होने के साथ ही मादा गर्भधारण में सक्षम हो जाती है। आर्तव चक्र (मेन्स्ट्रुअल साइकिल) का नियमन निम्न दो हार्मोन करते हैं - (i) LH हार्मोन (ii) FSH हॉर्मोन।





Google



डीएनए पैकेजिंग क्या है



वीडियो

समाचार

किताबें

इमेज

मैप

शॉपिंग

Search in English

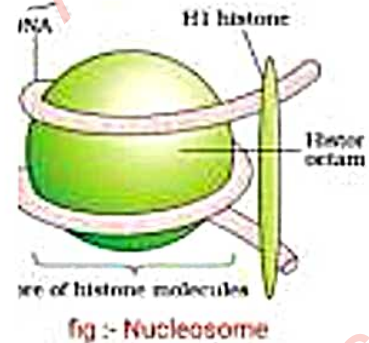


DNA packaging kya hai



इसे सुनें

गुणसूत्र क्रोमेटिन पदार्थ के बने होते हैं। ये एक न्यूक्लियोप्रोटीन है जो न्यूक्लिक अम्ल व हिस्टोन प्रोटीन से मिलकर बने होते हैं। "वुडकॉक" ने EM के द्वारा क्रोमैटिन का अध्ययन किया और बताया कि क्रोमैटिन दानेदार माला के समान होता है।

<http://onlinestudysp.blogspot.com> > ...

2. DNA कुंडली की पैकेजिंग



फ़ीचर्ड स्निपेट के बारे में जानकारी



सुझाव/राय दें या शिकायत करें

शुक्राणुजनन	अंडजनन
स्पर्मेटोगोनिया से शुक्राणुओं के उत्पादन को स्पर्मेटोजेनेसिस के रूप में जाना जाता है	ओगोनिया से अंडे का उत्पादन ओजेनेसिस के रूप में जाना जाता है
वृषण में होता है	अंडाशय के अंदर होता है
वृषण में सभी चरण पूरे हो जाते हैं	अंडजनन का मुख्य भाग अंडाशय के अंदर होता है। अंतिम कुछ चरण डिंबवाहिनी में होते हैं।
यह एक सतत प्रक्रिया है	यह एक सतत प्रक्रिया है. प्रारंभिक चरण भ्रूण में होते हैं और बाकी जीवन के बाद के चरणों में होते हैं।
गतिशील युग्मक उत्पन्न करता है	गैर-गतिशील युग्मकों का निर्माण करता है
शुक्राणुजनन के दौरान समान साइटोकाइनेसिस होता है जिससे चार शुक्राणु बनते हैं	अंडजनन के दौरान असमान साइटोकाइनेसिस होता है जिससे अंततः एक बड़ा अंडाणु और छोटे ध्रुवीय पिंड बनते हैं

SOLUTION

वाटसन व क्रिक ने DNA का द्विकुंडली मॉडल दिया था।

इस मॉडल की मुख्य विशेषता पॉलीन्यूक्लिओटाइड

श्रृंखलाओं के बीच युग्मन का होना था।

पॉलीन्यूक्लिओटाइड श्रृंखलाओं में क्षार युग्मन ही एक

ऐसी विशेषता थी जिसने वाटसन व क्रिक को DNA

प्रतिकृति के सेमी कंजर्वेटिव रूप को कल्पित करने में

सहयोग किया था। क्षार-युग्मन के इसी गुण के आधार पर

श्रृंखलाएँ एक-दूसरे की पूरक बनती हैं अर्थात् एक DNA

रज्जुक में क्षार अनुक्रम पता होने पर दूसरे रज्जुक के क्षार

युग्मन को ज्ञात किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त DNA का प्रत्येक रज्जुक, नये DNA

रज्जुक के संश्लेषण हेतु साँचे का कार्य करता है। इस साँचे

से बना द्विकुंडलित DNA अपने जनक DNA के समरूप

होता है। DNA प्रतिकृतिकरण की सेमी कंजर्वेटिव पद्धति

में DNA के दोनों रज्जुक पृथक् होकर नये रज्जुक के

संश्लेषण हेतु साँचे के समान कार्य करते हैं। DNA

प्रतिकृति में एक जनक रज्जुक व एक नया रज्जुक होता



Q 4.

Q 5.

Q 6.



सहयोग किया था। क्षार-युग्मन के इसी गुण के आधार पर श्रृंखलाएँ एक-दूसरे की पूरक बनती हैं अर्थात् एक DNA रज्जुक में क्षार अनुक्रम पता होने पर दूसरे रज्जुक के क्षार युग्मन को ज्ञात किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त DNA का प्रत्येक रज्जुक, नये DNA रज्जुक के संश्लेषण हेतु साँचे का कार्य करता है। इस साँचे से बना द्विकुंडलित DNA अपने जनक DNA के समरूप होता है। DNA प्रतिकृतिकरण की सेमी कंजर्वेटिव पद्धति में DNA के दोनों रज्जुक पृथक् होकर नये रज्जुक के संश्लेषण हेतु साँचे के समान कार्य करते हैं। DNA प्रतिकृति में एक जनक रज्जुक व एक नया रज्जुक होता है।



Concept: आनुवंशिक पदार्थ की खोज

Report Error

Is there an error in this question or solution?



Q 4.

Q 5.

Q 6.



Contents...

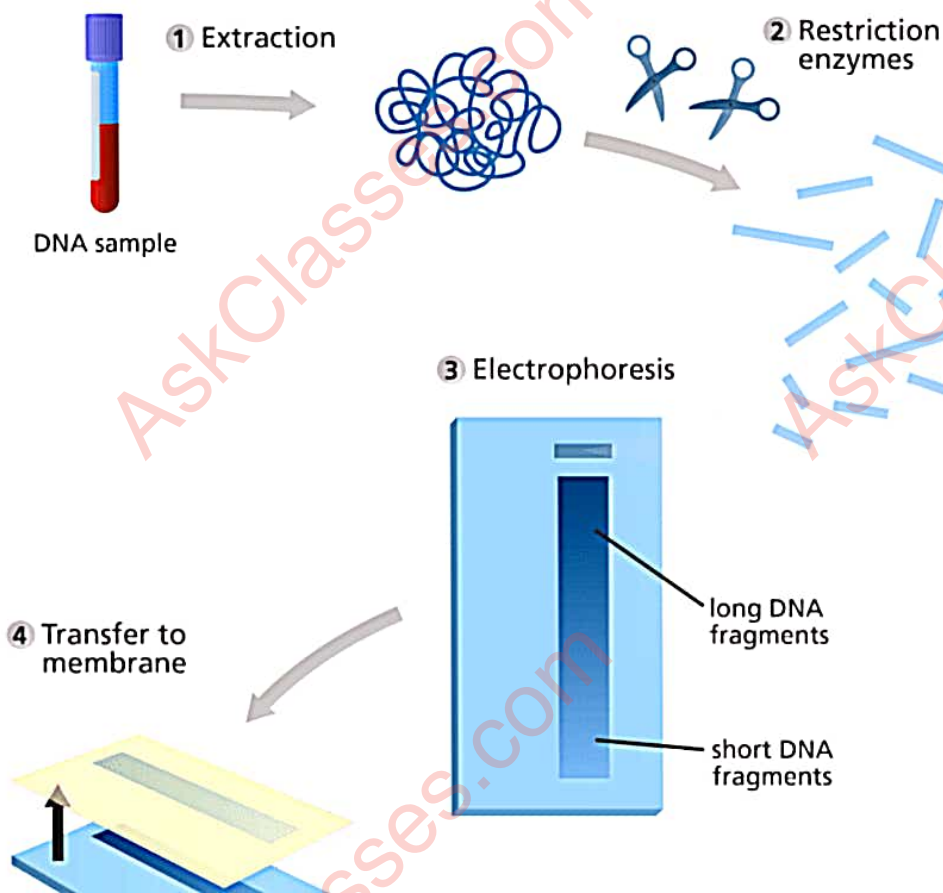
- DNA फिंगरप्रिंटिंग -
- DNA फिंगरप्रिंटिंग के उपयोग -

DNA फिंगरप्रिंटिंग :-

मनुष्य के डीएनए में पाए जाने वाले क्षार अनुक्रम लगभग 99% एक समान होते हैं, किंतु शेष डीएनए में विभिन्नताएँ होती हैं, इन विभिन्नताओं का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए जिस विधि का उपयोग किया जाता है उसे DNA फिंगरप्रिंटिंग कहते हैं।

- DNA फिंगरप्रिंटिंग तकनीक का प्रारंभिक विकास एलेक जेफरीज ने किया था।

DNA फिंगरप्रिंटिंग की विधि :-



Also read :- [DNA की संरचना](#), [DNA के प्रकार](#) And [DNA प्रतिकरण एवं उसकी विधि \(Replication of DNA and it's Method \)](#) And [DNA के कार्य](#)

DNA फिंगरप्रिंटिंग के उपयोग :-

इस विधि का उपयोग निम्नलिखित प्रकार के जटिल उलझनों को सुलझाने में किया जाता है।

- फोरेंसिक लैब में इसका उपयोग अपराधियों को पहचानने में किया जाता।
- समरूप जुड़वां को छोड़कर डीएनए की संरचना किसी भी को व्यक्तियों में एक जैसी नहीं होती हैं। अतः इसके सहारे किसी का भी पहचान किया जा सकता है।
- संदिग्ध माता पिता के बच्चे के DNA फिंगरप्रिंटिंग के आधार पर सही माता-पिता की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- मृत व्यक्तियों के सही सही जानकारी उनके मृत अंगों के डीएनए संरचना के द्वारा ही की जाती है ऐसी परिस्थिति में मृत व्यक्ति का डीएनए फिंगर प्रिंटिंग उसके नजदीकी संबंधियों के डीएनए संरचना से मिलाया जाता है।
- किसी संतान के सही माता-पिता का ज्ञान भी इसी विधि के द्वारा प्राप्त किया जाता है।
- मानव जीनोम के अनुवांशिक नक्शे को तैयार करने में डीएनए फिंगरप्रिंटिंग लाभदायक होते हैं।



क्र०सं०	खाद्य-शृंखला	खाद्य-जाल
1.	यह एक सरल प्रकार की संरचना है, जिसमें ऊर्जा का स्थानान्तरण एक जीव से दूसरे जीव में होता है।	खाद्य-जाल एक जटिल संरचना है। विभिन्न पारिस्थितिक तन्त्र से खाद्य-शृंखलाएँ परस्पर मिलकर खाद्य-जाल बनाती हैं।
2.	इसमें ऊर्जा का प्रवाह एक ही दिशा में होता है।	इसमें ऊर्जा का प्रवाह एक दिशा में होते हुए भी कई पथों से होकर गुजरता है।
3.	खाद्य-शृंखला में सामान्यतः जीवों की संख्या कम होती है।	एक सरल खाद्य-जाल में जीवों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक होती है।
4.	इसमें उत्पादक, उपभोक्ता तथा अपघटनकर्ता के बीच सम्बन्ध सीधी कड़ी के रूप में होता है।	इसमें उत्पादक, उपभोक्ता तथा अपघटनकर्ता के बीच सम्बन्ध जाल के रूप में होता है।
5.	<p>हरे पौधे → टिड्डा → मेढक</p> <p>→ सर्प → बाज</p>	<pre> graph TD HP[हरे पौधे] --> T[टिड्डा] HP --> C[चूहा] T --> M[मेढक] T --> S[सर्प] C --> B[बिल्ली] C --> S M --> B[बाज] S --> B[बाज] </pre>

Roll No.

मसू बनना इस रोग के लक्षण है।

प्रश्न - 02 - अपूर्ण प्रभाविता एवं सहप्रभाविता में अंतर लिखो।

उत्तर	अपूर्ण प्रभाविता	सह - प्रभाविता
1)	जब प्रभावि लक्षण वाले जीन F ₁ पीढ़ी में अपने आपकी पूर्ण रूप से प्रकट नहीं कर पाते हैं तो अपूर्ण प्रभाविता कहलाने है।	जब प्रभावी लक्षण वाले तथा अप्रभावी लक्षण वाले जीन दोनों साथ - साथ F ₁ पीढ़ी में प्रकट होते हैं तो इसे सहप्रभाविता कहते हैं।

AskClasses.com

	कहलाते हैं	सहप्रभाविता कहते हैं
2.	इसमें कारक दूसरे पर अपूर्ण रूप से प्रभावी होता है।	इसमें कारक प्रभावी या अप्रभावी न होकर मित्तीय रूप से प्रभाव डालते हैं।
3.	उदाहरण है — मिराबिलिस जलापा के पौधों में लाल पुष्प व सफेद पुष्प भुक्त पौधों के मध्य संकरण कराने पर F ₁ पीढ़ी में सभी फूल लाल सफेद न होकर गुलाबी रंग के होते हैं।	रुधिर वर्ग A, B, C जिनका निर्धारण विभिन्न प्रकार की लाल रुधिराणु कारिकाएँ करती हैं इन रुधिर वर्गों का नियंत्रण 'I' जीन करता है।

AskClasses.com

Que : 80. जेनेटिक कोड क्या है ? इसकी कोई 4 विशेषतायें लिखिये ।

Answer:

जेनेटिक कोड (Genetic code)-m-RNA में उपस्थित तीन न्यूक्लियोटाइडों के अनुक्रम को जो प्रोटीन अणुओं को कोड करते हैं, आनुवंशिक कोड कहते हैं।

जेनेटिक कोड के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं

1. ट्रिपलेट कोड- प्रत्येक आनुवंशिक कोड तीन नाइट्रोजीनस क्षारकों के समूह का बना होता है अतः प्रत्येक अमीनो अम्ल के लिए क्षार समूह का बना एक कोड आवश्यक होता है।

2. प्रारंभिक सिग्नल- पॉलिपेप्टाइड श्रृंखला के निर्माण का प्रारंभ m-RNA पर पाये जाने वाले AUG या GUG कोडॉन में होता है ये क्रमशः मिथियोनिन तथा वैलिन अम्लों को कोड करते हैं।

3. रुकावट सिग्नल—प्रत्येक पॉलिपेप्टाइड श्रृंखला की लंबाई निश्चित होती है, अतः श्रृंखला का निर्माण के बाद की क्रिया का समापन आवश्यक होता है। m-RNA पर पाये